

increased the subsidy price of rice and wheat in Kerala in 1966; and

(b) if so, how many times it was raised and the quantum raised in each case?

The Minister of State in the Ministry of Food, Agriculture, Community Development and Cooperation (Shri Annasahib Shinde): (a) The issue prices of rice and imported wheat supplied from Central stocks to all State Governments including Kerala were raised in 1966. Even so, the prices of coarse rice and wheat contains an element of subsidy.

(b) The increase in the issue price of imported wheat was made only once *w.e.f.* November, 1966. For rice twice, in June and December during the year 1966. The extent of increase in case of imported wheat for all States was from Rs. 50.00 to Rs. 55.00 per quintal. In case of coarse rice, the increase in the issue price for Kerala was from Rs. 66.00 to Rs. 69.00 *w.e.f.* June, 1966 and from Rs. 69.00 to Rs. 80.00 per quintal *w.e.f.* December, 1966.

Declaration of Famine in Bihar

798. Shri Mohan Swarup:
Shri Ram Sewak Yadav:
Shri Madhm Limaye:
Shri Molahu Prasad:
Shri George Fernandes:
Shri Kabi Ray:
Shri Bhogendra Jha:
Shri A. B. Vajpayee:
Shri Bal Raj Madhok:
Shri Chandra Sekhar Singh:
Dr. Ranen Sen:
Shrimati Tarkeshwari Sinha:
Shri Maharaj Singh Bharti:
Shri S. M. Banerjee:
Shri Bibhuti Mishra:
Shri K. N. Tiwary:
Shri K. M. Madhukar:
Shri D. C. Sharma:
Shri E. S. Vidyarthi:
Shri Sidheshwar Prasad:
Shri B. S. Sharma:
Shri Onkar Lal Berwa:
Shri Prakash Vir Shastri:
Shri Ram Singh Ayarwal:

Shri Hukam Chand Kachwal:
Shri Shri Gopal Saboo:
Shri Swell:
Shri S. C. Samanta:
Shri A. K. Khaku:
Shri S. N. Matti:
Shri Tridib Kumar Chaudhuri:
Shri Yashpal Singh:
Shri P. Parthasarathy:
Shri E. D. Reddy:
Shri Shiv Chander Jha:
Shri Shri Chand Goel:
Shri D. N. Patodia:
Shri Mohamed Imam:
Shri S. K. Tapuriah:
Shri Gadlingana Gowd:
Shri Vishwa Nath Pandey:
Shri Y. A. Prasad:
Shri P. K. Deo:
Shri K. P. Singh Deo:
Shri B. Barua:
Shri N. K. Sanghi:
Shri Virendrakumar Shah:
Shri A. Anrudhan:
Shri K. M. Abraham:
Shri Vishwanatha Menon:
Shrimati Suseela Gopalan:
Shri Umanath:
Shri F. P. Esthose:
Dr. Ram Manohar Lohia:

Will the Minister of Food and Agriculture be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Bihar Government has declared one third of the State under famine;

(b) if so, the particulars of areas where famine has been declared;

(c) the reaction of Government thereto; and

(d) the steps taken to face the situation arising out of this declaration?

The Minister of State in the Ministry of Food, Agriculture, Community Development and Cooperation (Shri Annasahib Shinde): (a) and (b). A statement indicating the areas declared as famine areas by the Government of Bihar is laid on the Table of the House. [Placed in Library. See No. LT-436/67].

(c) and (d). The Government of India has been making all possible

efforts to help Bihar Government. Relief measures on a very large scale have been taken by the State Government to meet the situation created by the drought. A statement of assistance given by the Government of India to the Bihar Government so far is placed on the Table of the House. [Placed in Library. See No. LT-437/67].

विषय :—जापान से कृषि विशेषज्ञों की पेशकश

790. श्री मोहन स्वरूप :

- श्री न० कु० लक्ष्मी :
- श्री हुकम चन्द कछवाय :
- श्री राम सिंह धारपाल :
- श्री मणिभाई जे० पटेल :
- श्री सी० चं० शर्मा :
- श्री विभूति मिश्र :
- श्रीमती तारकेश्वरी सिन्हा :
- श्री ह० प० षटर्जी :
- श्री वसन्तेश्वर कुंजेल :
- श्री स० चं० सामन्त :
- श्री यशपाल सिंह :
- श्री य० ज्ञ० प्रसाद :
- श्री पार्षासाध्वी :
- श्री क० ना० तिवारी :
- श्री बहादुर राम रेड्डी :

क्या साक्ष्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि जापान के प्रौद्योगिक, प्राध्यात्मिक, ग्रामिक एवं सांस्कृतिक विकास संगठन ने जापान के 500 कृषि विशेषज्ञों की सेवाएँ भारत सरकार को समर्पित करने की पेशकश की है जिससे भारत कृषि के मामले में अग्रगण्यता प्राप्त कर सके; और

(ख) यदि हाँ, तो सरकार की इस संबंध में क्या प्रतिक्रिया है?

साक्ष्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री अनासाहिब सिन्हा) : (क) तथा (ख) जापान के प्रौद्योगिक, प्राध्यात्मिक, ग्रामिक एवं सांस्कृतिक विकास संगठन से विशेषज्ञों की कोई निश्चित संख्या की पेशकश प्राप्त नहीं हुई है। सहायता संबंधी उनकी साधारण पेशकश पर उनसे कहा गया है कि कृषि उत्पादन की विशेष तथा विस्तृत योजनाएं भेजें।

इंडियन एयरलाइन्स कार्पोरेशन का प्राधुनिकीकरण

791. श्री मोहन स्वरूप :

- श्री मणिभाई जे० पटेल :
- श्री बेनीशंकर शर्मा :
- श्री श्रीकार लाल बेरवा :

क्या पर्यटन तथा अंतर्राष्ट्रीय उड्डयन मंत्रों यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इंडियन एयरलाइन्स कार्पोरेशन का प्राधुनिकीकरण देने के लिये क्या कार्यवाही की गई है ;

(ख) क्या यह सच है कि इस समय कार्पोरेशन घाटे पर चल रहा है ;

(ग) यदि हाँ, तो इसके क्या कारण हैं ; और

(घ) प्राविश्य :— इस घाटे को दूर करने के लिये क्या कार्यवाही की है ?

पर्यटन तथा अंतर्राष्ट्रीय उड्डयन मंत्री (डा० कर्ण सिंह) : (क) इंडियन एयरलाइन्स कार्पोरेशन अपने विमान-सेठों तथा कारखानों के प्राधुनिकीकरण के यथासंभव प्रयत्न करता रहा है। इस दिशा में सीमित प्रगति का कारण विदेशी मुद्रा की कमी रही है। कार्पोरेशन ने वाइकालंट विमान 1957 में, क्रैण्डिफ 1961 में तथा कारबेल 1964 में चाबू